

# हरियाणा एन्साइक्लोपीडिया

सभ्यताएँ नष्ट हो जाती हैं, पर शिलालेख, चित्रलेख व पुस्तकें बची रहती हैं। और वे हमारी संस्कृति की संवाहक हैं। इसलिए इन्हें सहेज कर रखना जरूरी है। देश भर में किसी प्रदेश का यह पहला एन्साइक्लोपीडिया है जिसे रिकॉर्ड समय में मात्र डेढ़ साल की अवधि में सम्पूर्ण किया गया है।

मुल्यमंजी चौधरी भूपेन्द्रसिंह हुज्जा  
विमोचन के अवसर पर

मुख्य सम्पादक

डॉ. कृष्ण कुमार खण्डेलवाल, आई.ए.एस.

प्रबन्ध सम्पादक

शिवरमन गौड़, आई.ए.एस.

सम्पादक

डॉ. शमीम शर्मा

सह सम्पादक



भूगोल

संस्कृति

धर्म

साहित्य

इतिहास

विकास

चित्रलेख

शिल्प

भाषा

साहित्य

इतिहास

विकास

चित्रलेख

भूगोल

संस्कृति

धर्म

साहित्य

इतिहास

विकास

चित्रलेख

संस्कृति



क की बात

अपने उपलब्ध आलेखों और  
हड़प्पा सभ्यता और माया  
हमारे पास उपलब्ध है, यह  
नास्तिक संकेतों और प्राचीन

य इतिहास में विकास की नई  
विकास का रोल मॉडल है। मेरे  
के भूगोल, इतिहास, संस्कृति,  
हर पहलू को एकत्रित कर  
शिक्षित किया जाय। और इसकी  
के रूप में पाठकों के हाथों में  
ह भारतवर्ष में किसी भी प्रदेश  
ए एन्साइक्लोपीडिया है। हमने  
सीमित समय में हरियाणा  
प्रस्तुत किया है।

—डॉ. कृष्ण कुमार लणोत्सव  
आई.ए.एस.

## भूगोल खण्ड 1 और 2

भूगोल खण्ड में हरियाणा की विविध धरती—उत्तर में शिवालिक  
की इरीतिमा-मंडित पहाड़ियों का सौन्दर्य, दक्षिण में अरावली की  
सुन्नक पहाड़ियों में बहुमूल्य स्लेट का क्वार और बीच में उपजाऊ  
मैदान—'धान का कटोरा', गेहूँ, कपास का भंडार। सरावड़ी और  
जीवन नगर के बासमती चावल की सुगन्ध का भरपूर आनन्द।  
साथ ही सरस्वती, घग्घर और दूधद्रती नदियों की कल-कल ध्वनि।  
हरियाणा के करीब सात हजार गाँवों और सैकड़ों कस्बों-शहरों का  
भौगोलिक और सांस्कृतिक परिचय।

प्रकाशक  
अरुण माहेश्वरी



वाणी प्रकाशन

4693, 21-ए, हरिकान्त, नयी दिल्ली-110002

फोन : 0091(11)823273167 और 8-लैन्ड : 0091(11)823275710

वेबसाइट : www.vaniprakashan.in



भूगोल  
संस्कृति  
वसाहित्य  
ये  
मा  
मा  
गा  
स  
रष  
रा  
उब  
मा  
व  
प्ये

य  
ह

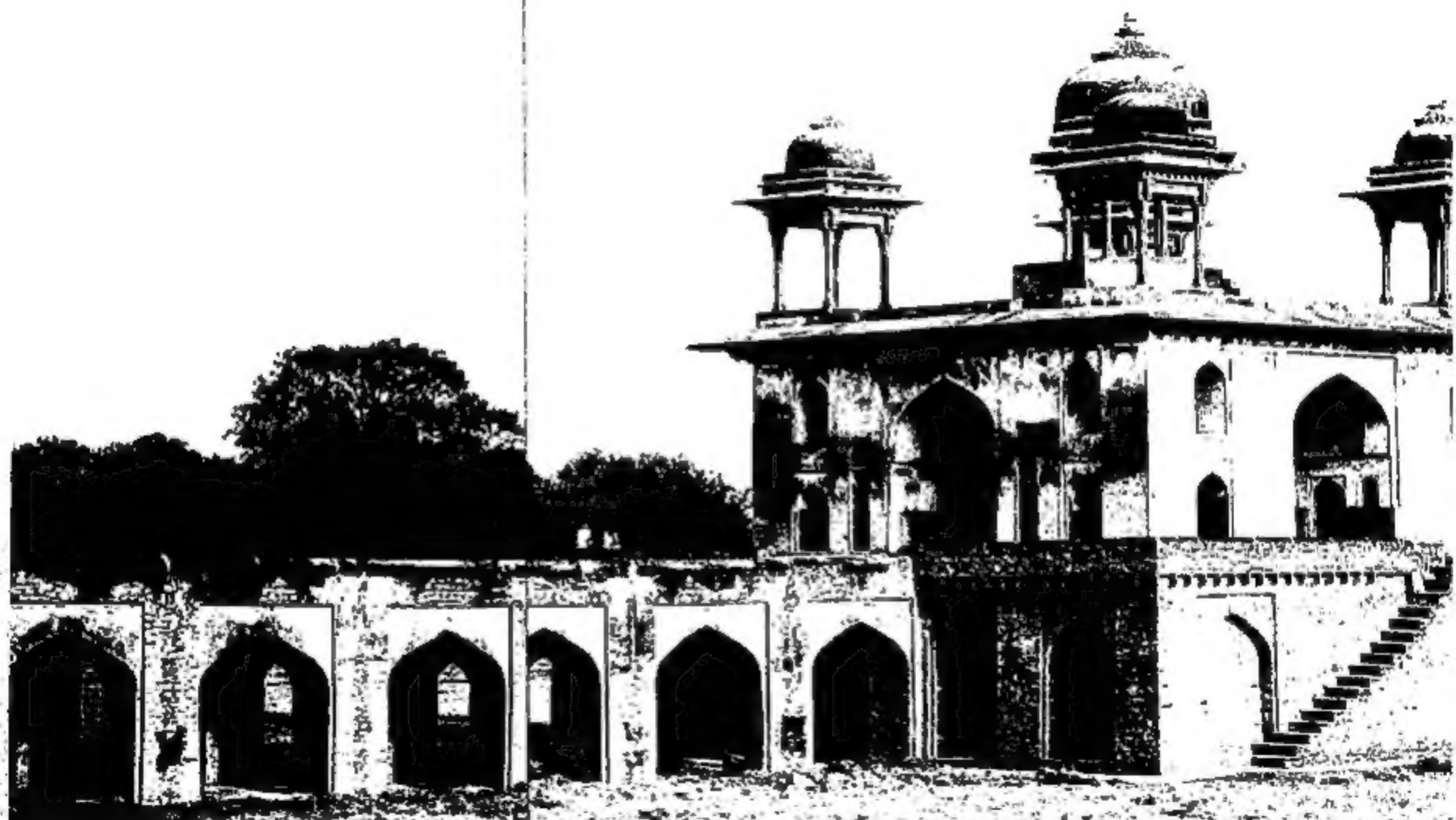
गण,  
न्द व  
टक,  
नधिन्न  
पहल,  
बाबा  
गुप्त,  
  
वाली,  
लेका  
लिफ,  
  
नै एवं  
गण्डी,  
मञ्जोल

## संस्कृति

धर  
वसाहित्य  
ये  
मा  
मा  
गा  
नि  
सः  
रष  
ता  
उब  
मा  
वे  
प्ये



५.







## पौध खण्ड

जों द्वारा उपरोक्त पौध खण्डों की  
वास्तुतः स्वरूप अंकित है। यह खण्ड  
: योग ज्योतिष, रघुराय, रणवीरसिंह,  
के गुप्त के छायाचित्रों से हरियाणा  
तस्वीर प्रस्तुत करता है। इसके  
व विभाग द्वारा प्रदत्त अनेक दुर्लभ











डॉ. गुरप्रीत सिंघ  
सम्वत्सरिक  
हरियाणा एन्साइक्लोपीडिया

शिक्षा : बी.ई. (लिविंग), एलएल.बी., एलएल.एम., एम.एससी. (आई.टी.), एम.सी.ए., एम. कोष. (आई.एम.), एम.एल.एम., एम.ए. अर्थशास्त्र, एम.ए. समाजशास्त्र, एम.ए. मानवविज्ञान, एम.ए. लोक प्रशासन, एम.बी.ए. एम.आर.एम., एम.बी.ए. आई.टी., एम.बी.ए. आई.सी.एम., एम.बी.ए. मार्केटिंग, पीएच.डी. (मैनेजमेंट), एम.एच.ए. एम.एम.सी., पीजी डिप्लोमा (टूरिज्म, आई.आर. एवं विज्ञान मैनेजमेंट), ज्योतिष प्रमाण, ज्योतिष शिक्षण कार्य अनुभव : एस.टी.जी., किरातपुर शिवर, सैतजी डी.आर.सी., तुलसी, विधानी व मैदान, अतिरिक्त प्रकाशक हरियाणा पब्लिशिंग (आईआईटीएफ-88), उपाध्याय, कबीराबाद, बगौलपुर, प्रकाशक हरा, भीमना भवन रायदान पोस्ट, मनसादेवी रायदान पोस्ट, निदेशक एवं संपादक सचिव लोक सम्पर्क एवं भुवना विभाग, टूरिज्म, विद्युत मुद्रण, हरियाणा एमो इन्फो कोऑरिनेशन बॉर्मान : अतिरिक्त प्रधान सचिव (मुख्यमन्त्री, हरियाणा) तथा विलासुका एवं प्रधान सचिव मुक्त, जन सम्पर्क एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग, हरियाणा।



डॉ. अनिल कुमार  
सम्वत्सरिक  
हरियाणा एन्साइक्लोपीडिया

शिक्षा : एम.ए. (साम्प्रदायिक प्रश्न), एम.फिल. हिन्दी (साम्प्रदायिक प्रश्न), पीएच.डी. कुलदेव विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र  
प्रकाशन : इलाहाबाद (समुद्रगढ़), अरुन्धी नदी की घाटी, पंचनाद, हिन्दुस्तान के समुद्र (अनंतर), घोषाल के भाषित, घोषाल के चारों, घोषाल के साहू (सम्वत्), घोषाल (प्रांशक) सम्पादन, दैनिक हिन्दु एवं हिन्दी विशाल दैनिक में लेख लेखन, कुरुक्षेत्र (समुद्रगढ़ विशेषज्ञ सम्पादन)  
साप्ताहिक कार्य में योगदान : सम्पादन सेवा कार्य में उत्कृष्टता हेतु पुरस्कार द्वारा सम्पादन प्राप्त, सन 2001 में साप्ताहिक द्वारा राजत पदक से सम्मानित, लोक और रक्षादान एवं रक्षादान कार्य हेतु अनेक बार पुरस्कृत, उड़ीसा रक्षादात आर्षक के सुनार में उड़ीसा आर्षक पीडिलो में राजत सम्पादक वितरण, गुजरात भूकम्प आर्षक के सम्पादन, भुवना एवं अंतर में राजत कार्य किया, कारमिल गुड पीडिलो-परिचालन हेतु सहयोग राति एकत्रित करने में योगदान, हिंसा की सामाजिक संस्था 'समन्वित' की संस्थापक, 'हिंसा विरत' एवं 'महिला शक्ति संस्थान' की सक्रिय परामर्शकारी, 'जिन्दा' की संस्थापक



डिप्टमन पंत  
सम्वत्सरिक  
हरियाणा एन्साइक्लोपीडिया

शिक्षा : आई.ए.एस. बी.ए. आनर्स (अर्थशास्त्र), एम.ए. (अर्थशास्त्र), फिल. (अर्थशास्त्र), डिप्लोमा (अर्थशास्त्र), ज्योतिष वाचस्पति कार्य अनुभव : प्रवक्ता अर्थशास्त्र, राजकीय कोलेज, नानील एवं एल.एम. कोलेज, रोहताक, एम.डी.एम. एवं अतिरिक्त उपाध्याय, नानील एवं वि. ज्योतिषी एवं उप प्रधान सचिव (मुख्यमन्त्री, हरियाणा), अतिरिक्त आ. परिचालन, महप्रबन्धक, कॉन्वेड, हराते बैंक तथा विकास एवं पंचायत वि. आदित्य, उच्चतर शिक्षा, हरियाणा, निदेशक, जल परिवहन मन्त्रालय, भारत सा. राजदूत, कोऑरिनेटिंग सोसायटीज, हरियाणा, अध्यक्ष, तीर्थदात्री संघ, हरियाणा प्रकाश, जेप फेडरेशन लोक इंडिया, उपाध्यक्ष, हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन बॉर्मान : अतिरिक्त प्रधान सचिव (मुख्यमन्त्री, हरियाणा) तथा निदेशक, जन. स. एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग, हरियाणा



डॉ. अनिल कुमार  
सम्वत्सरिक  
हरियाणा एन्साइक्लोपीडिया

शिक्षा : एम. ए. (प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व), एम. लिट. इन्फोर्मेशन साइंस, पीएच.डी. (साइबेरी एण्ड इन्फोर्मेशन साइंस), कम्प्यूटर प्रशासक इन्स्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस मुम्बई, इन्डियन नेशनल साइंस सोसियेटिज सेंटर, दिल्ली निवात, जेएस आईआर, दिल्ली में प्राध्यापक कार्य अनुभव : पुरातत्त्व अध्येत, 35 वर्ष साइबेरी ऑटोमेशन, 11 वर्ष म. अनवरधारी गीम कमेटी, कुलदेव विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र सदस्य, शिक्षात वि. समिति, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र सदस्य, बोर्ड ऑफ यूजी. स्टडीज, कुरुक्षेत्र महिला विश्वविद्यालय, छात्रपुरा संस्थापक पुरातत्त्ववाच्य, भारत ए. महिला विश्वविद्यालय, छात्रपुरा  
विशेष : आजीवन सदस्य, इन्डियन साइबेरी एसोसिएशन एवं हरियाणा ए. एसोसिएशन, संपुष्ट सचिव, हरियाणा साइबेरी एसोसिएशन, हिंसा विरत में राज. केमरी चौक तथा ईवीएस में पुरातत्त्व विस्तार सुविधा  
बॉर्मान : पुरातत्त्ववाच्य एवं कम्प्यूटर केंद्र प्रभारी, कुरुक्षेत्र महिला महाविद्यालय